Living the LOTUS
Buddhism in Everyday Life
8
2017
VOL. 143

FOUNDER'S ESSAY

मनोवृत्ति शब्दों से अधिक प्रभावी

ऐसा कहा जाता है कि हमारी जिह्वा से रस का जो स्वाद मिलता है वह वास्तव में स्वादिष्ट भोजन के स्वाद का 20% से कम होता है। अन्य 80% हमारा स्वाद डिश के सुगंध, उसका गर्म होना और अन्य कारणों से पूर्ण होता है। व्याख्यानों एवं अन्य समान चीजों के संबन्ध शोध का अनुमान है कि श्रोतागण आख्यान की विषय वस्तु का मात्र 7% ग्रहण कर पाते हैं, और कोई चीज बढ़कर श्रोतागण के साथ रहता है वह वक्ता का व्यक्तित्व और मनोवृत्ति, बोलने के तरीके और आगे कही जानेवाली बातें जैसी चीजें हैं।

जब श्रोता आश्वस्त होते हैं, वे वक्ता को भरोसेमंद मानने लगते हैं। वे वक्ता की ओर झुकते हैं और उनकी बातों को सुनकर सहमति व्यक्त करते हैं। लेकिन जब किसी एक कारण या अन्य कारणों से उन्हें विश्वास हो जाता है कि वक्ता विश्वसनीय नहीं है, चाहे बातें कितनी ही अच्छी हो, श्रोतागण दिल से उन्हें स्वीकार नहीं करते हैं।

जब भी मैं बुद्ध की शिक्षा को दूसरों के साथ बाँटता हूँ, मैं श्रोताओं के चेहरे की ओर यह जानने के लिए देखता रहता हूँ कि क्या मेरी बातें उनके दिल को छू रही हैं। लेकिन यद्यपि मैं लोगों के चेहरे की अभिव्यक्तियों के बारे में सावधान रहना चाहता हूँ, मुझे लगता है कि ईमानदारी दूसरों से जोड़ता है।

जब आप अपने संबाद में कोई सच्ची बात बिना किसी दिखावे का कहते हैं, तो आप निश्चित रूप से हर किसी को सुनने को आकर्षित करेंगे, और यह उनके चेहरे पर प्रकट होगा। लेकिन यदि आप किसी चीज के बारे में जोर देकर कहते हैं जिसे करने की आपने कभी कोशिश नहीं की है या स्वयं पूरा नहीं किया है- आपका कथन मात्र दूसरों को सुनाने के लिए है, उसमें वास्तविकता का लेस नहीं है। ऐसा इसलिए है क्योंकि आप जो कहते हैं उसके प्रति स्वयं आश्वस्त नहीं हैं। श्रोता भी इस अन्तर को समझते हैं।

From *Kaisozuikan* 9 (Kosei Publishing Co.), p. 56-57

Living the Lotus
Vol. 143 (August 2017)

Senior Editor: Shoko Mizutani
Copy Editor: Parmita Shekhar
Editorial Staff of RK International

Living the Lotus is published monthly by Rissho Kosei-kai International, Fumon Media Center, 2-7-1 Wada, Suginami-ku, Tokyo 166-8537, Japan.

TEL: +81-3-5341-1124
FAX: +81-3-5341-1224
Email:living.the.lotus.rk-international@kosei-kai.or.jp

रिश्शो कोसेईकाई गृहस्थों की संस्था है जिसका पवित्र ग्रन्थ सद्धर्म पुण्डरीक सूत्र एवं अन्य दो लघु सूत्रों का संकलन है। इस संस्था को संस्थापक निक्क्यो निवानो एवं सह-संस्थापक म्योको नागानुमा ने सन् १९३८ ई० में स्थापित किया था। यह उन साधारण स्त्रियों एवं पुरुषों की संस्था है जिन्हें बुद्ध में श्रद्धाविश्वास है तथा जो बुद्ध के उपदेशों के अनुसार चलते हुए अपने आध्यत्मिक जीवन को समृद्ध बनाते हैं।

प्रेसिडेण्ट का दिशानिर्देश निचिको निवानो, के अन्तर्गत हम देश एवं अन्तर्राष्ट्रीय स्तरों पर अन्य सस्थाओं के साथ मिलकर शान्ति एव कल्याण के लिये तत्पर होकर परोपकार के कार्य में सलग्न हैं।

"लिविंग द लोटस्: बुद्धिज्म इन एवरीडे लाइफ" का उद्देश्य यह दर्शाना है कि जैसे सरोवर के कीचड़ से निकलकर कमल खिलता है वैसे ही पुण्डरीक सूत्र की शिक्षा का दैनिक जीवन में अनुशरण के प्रयास से हमारा जीवन समृद्ध बनता है, हमारा जीना सार्थक होता है । इसका संस्करण के माध्यम से दुनियाँ में लोगों के दैनिक जीवन में बौद्धधर्म की शिक्षा को सरल बोधगम्य बनाना है ।

PRESIDENT'S GUIDANCE

अदृश्य कृत्यों के विषय जागरूक होना

निचिको निवानो
प्रेसिडेण्ट, रिश्शो कोसेइ काइ

विश्वास जागरूक बनने की अनुमति है

यद्यपि यह कथन मस्तिष्क के प्रशिक्षण का उदाहरण नहीं है, बल्कि आज जापान में यह बहुत लोकप्रिय है, मैं एक पहेली के साथ इस माह के मार्गदर्शन का प्रारंभ करना चाहता हूँ।

वायु, मन और मुठभेड़ इन तीनों चीजों में क्या समानता है?

पहली नज़र में, उनके बीच कोई संबंध नहीं हो सकता है, लेकिन उनमें कुछ समान है, जिसे मैं इस तरह समझाऊँगा: यद्यपि हम उन्हें वास्तव में स्पर्श नहीं कर सकते हैं या देख नहीं सकते हैं, ये सभी इतने महत्वपूर्ण हैं कि हम उनके बिना नहीं रह सकते हैं।

यही जवाब है। इस तथ्य के बावजूद कि हम शायद ही कभी उन पर अधिक ध्यान देते हैं। एक बार हमें पता चला कि वे कितने महत्वपूर्ण हैं। हम उनके प्रति आभार प्रकट किए बिना नहीं रह सकते हैं।

हमारे दिमाग की स्थिति और दूसरों के साथ हमारे रिश्ते, जैसेकि हमारे माता-पिता द्वारा की गई प्यार से देखभाल, हमारे पूर्वजों से प्राप्त लाभ, हमारे परिवार के सदस्यों के व्यक्त सोचविचार और हमारे दोस्तों द्वारा विचारशीलता की अभिव्यक्ति, हमें जागरूक बनाते हैं कि वे अदृश्य चीजें महत्वपूर्ण हैं जिनके प्रति हम कृतज्ञता व्यक्त करना भूल गए हैं। बेशक, कई अन्य चीजें हैं जिन पर समान तर्क लागू होता है। इसके बारे में, आपका क्या विचार है?

स्विस चित्रकार पॉल क्ली (1879-1940) ने एक बार इस विषय में कुछ ऐसा कहा था कि कला हमें अदृश्य को देखने में सक्षम बनाता है, और यही धर्म और विश्वास के बारे में भी कहा जा सकता है कि जो अदृष्य हैं, यह उन्हें दिखला सकते हैं। यथार्थ में, धर्म और विश्वास हमें इस तथ्य के बारे में जागरूक होने का अवसर देते हैं कि मनुष्य के रूप में जीने के लिए वास्तव में हमारे लिए क्या महत्वपूर्ण है, जैसे कि हमारी अपनी मनोदशा, आश्चर्य और जीवन के चमत्कार और सभी के जीवन की पवित्रता हैं जिन्हें हमारी आँखें नहीं देख पाती हैं।

अब, आइए देखें कि हमारे दैनिक जीवन की वास्तविकता के संदर्भ में इसका क्या अर्थ है।

ईमानदारी से बातें स्वीकार करना

पुण्डरीक सूत्र का16वाँ परिवर्त, "तथागतायुष्प्रमाणपरिवर्त" में एक गाथा इस प्रकार है: "मैं हमेशा यहाँ धर्म का उपदेश करता हूँ।" दूसरे शब्दों में, बुद्ध हमेशा हमारे साथ हैं और हमें धर्म की शिक्षा देते हैं।

हालाँकि, इस गाथा में कहा गया है, "वास्तव में, मैं हमेशा इस संसार में अवस्थित हूँ फिर भी, अपनी उत्कृष्ट शक्तियों का उपयोग कर मैं विकृत मन के जीवित प्राणियों को मुझे स्वयं को देखने में असमर्थ रखता हूँ, यद्यपि मैं पास ही रहता हूँ।" दूसरे शब्दों में, बुद्ध की धर्म शिक्षा हमारे लिए अदृश्य है, हम सुन नहीं सकते हैं और नहीं आँखों से देख सकते हैं।

सूत्र के अनुसार, "जीवित प्राणियों का विकृत मन का होना" ही कारण है कि, हम चीजों की गलत व्याख्या करते हैं या स्वकेंद्रित दृष्टि एवं पूर्वाग्रह से चीजों को देखते हैं।

फिर, आप को बुद्ध के संदेश के प्रति जागरूक होने के लिए आपको क्या करना चाहिए? आसान तरीका स्वीकार करना है। अगर आप स्वीकार करते हैं, तो आप स्पष्ट रूप से खुली आंखों से महत्वपूर्ण चीजों को देख सकेंगे और बुद्ध की धर्मदेशना के बोध का अहसास करेंगे। क्या यह सत्य नहीं है कि इसका साक्ष्य नियमित रूप से ऑनलाइन पत्रिका "Spiritual Journey" में प्रकाशित सामग्रियों, साथ ही ग्रेट सेक्रेड हॉल और स्थानीय धर्म केंद्रों में दिए गए सदस्यों की स्वीकारोक्ति में मिलता है?

सत्य कितना भी कटु हो सकता है, ईमानदारी से इसे स्वीकार करने से, प्रत्येक व्यक्ति को कुछ महत्वपूर्ण का बोध होगा- कुछ लोगों को अहसास होगा कि कितने अन्य लोग उनका समर्थन कर रहे हैं; कुछ लोगों को जीवन के अनमोल होने का अनुभव हो सकता है और कुछ लोगों को यह महसूस हो सकता है कि कैसे अपने मित्रों एवं परिवार के सदस्यों हमारा कितना ध्यान रखते है।

उन सभी मामलों में, लोगों की जागरूकता कृतज्ञता में बदल जाती है जो उस समय से पहले कभी नहीं हुआ। और वे कटु सत्य के सामने नतमस्तक होकर आभार प्रकट कर सकते हैं जो महत्वपूर्ण जागरूकता के लाभ का अवसर देता है। निष्पक्ष होकर स्थिति को देखने पर हुए, उनकी दुर्दशा बिल्कुल ही नहीं बदली है, लेकिन जब वे कुछ महत्वपूर्ण बातों को महसूस करते हैं जो कि आंखों के लिए अदृश्य है, तो बहुत से लोग सुरक्षा की भावना से भरे जाते हैं, जैसे कि उनके कंधे से बहुत बड़ा वजन उठ गया है। मुझे लगता है कि यह मुक्ति है अदृश्य बलों के काम से अवगत होने और बुद्ध की आवाज सुनने, बोलने के तरीके में, खुशी का शॉर्टकट है।

यह मौसम है जब जापान में कुछ लोग बॉन और गर्मी की छुट्टियों में आनन्दमनाने के लिए एक साथ इकट्ठा होते हैं, जिसके दौरान वे अपने परिवार के पुनर्मिलन के लिए अपने पैतृक स्थान में जाते हैं, और पूर्वजों की स्मृति में जश्न मनाते हैं, इसलिए यह कुछ विचार देने का एक अच्छा अवसर हो सकता है जो आँखों से नहीं देखी जा सकती है।

From *Kosei*, August 2017

Childcare lifeline

मैं अपनी 17 वर्षीया पुत्री के बारे में चिंतित हूँ , जो हाई स्कूल की छात्रा है और अपने स्मार्टफोन को अलग नहीं कर सकती है।

Q मेरी पुत्री हर समय अपने स्मार्टफोन से लगी रहती है, कभी भी उसे अपने से अलग नहीं करती है, वह लगातार सोशल नेटवर्किंग सेवाओं (एसएनएस) को देखती है और हर दिन स्कूल से घर आने के बाद अपने मित्रों के साथ संदेश का आदान-प्रदान करती है । क्योंकि मुझे उसकी परवाह है, मैं उसकी इस तरह की दैनिक स्थिति से चिंतित हूँ। जब भी मैं उसे अपने स्मार्टफोन को छोड़ने के लिए कहती हूँ, वह जवाब देती है, "नहीं, क्योंकि मैं लोकप्रिय विषयों के बारे में अपने दोस्तों के साथ बातचीत को समझ नहीं पाऊँगी।" जितने का प्रबंध कर सकती है वह खुद को उससे अधिक में संलग्न रखती है। मुझे अपनी पुत्री के साथ कैसा व्यवहार करना चाहिए और किस तरह का दृष्टिकोण रखना चाहिए?

A आप एक ऐसी अद्भुत माँ हैं जो अपनी चिंताओं और परेशानियों के संबंध अपनी पुत्री से सीधे संवाद कर सकती हैं क्योंकि आप सावधानी से उसे देख रही हैं।

आपकी पुत्री के शब्दों में, "मैं लोकप्रिय विषयों के बारे में अपने दोस्तों के साथ बातचीत को समझ नहीं पाऊँगी," यह उसकी सच्ची सोच को दर्शाता है जो हाई स्कूल के छात्राओं की विशिष्ट भावनाओं को प्रतिबिंबित करता हैं और जो माता-पिता या परिवार के अन्य सदस्यों के बजाय अपने करीबी मित्रों के साथ अपने संबंधों को सर्वोच्च महत्व देती है। माँ के रूप में आप संभवत: कहना चाहेंगी कि "आप की प्रतिक्रिया कुछ अधिक है, क्या नहीं हैं?" "क्या आपके पास फोन करने पर नज़र रखने को छोड़कर कुछ भी करने को नहीं है?" हालांकि, मित्रों के साथ प्यार भरे संवाद से जुड़ा रहने की दृढ़ता उच्च विद्यालय की आयु के बच्चों की विशेषता है, जो एक वास्तविकता हैं, शुद्ध मन आसानी से समझौता नहीं कर सकता हैं। **अपने मित्रों के साथ प्यार भरे संवाद से आपकी पुत्री को अपने व्यक्तित्व का अहसास होता है और वह वास्तव में बहुत सारी चीजें सीखती हैं।**

जैसाकि समझ और दयालुता को पर्याप्त रूप से व्यक्त करने में कठिनाई के बावजूद भी वह खुद को अधिक मोड़ सकती है। माता-पिता आज के इंटरनेट-आधारित समाज के बारे में चिंता कर सकते हैं जो उनके लिए जटिल हो सकता है। लेकिन, ऐसे समय में माता-पिता के रूप में, आप स्मार्टफोन और एसएनएस के बारे में क्यों नहीं सीखते हैं और अपनी पुत्री के साथ इनके उपयोग के संबंध चर्चा करते हैं। आप अपनी पुत्री से अधिक सीख लेंगे बनिस्पत कि वह माता-पिता से सीखेगी। लेकिन आपके द्वारा अपनी पहचान पार कर उसका आत्मविश्वास और बलवती होगा और आपके परिवार के बीच का संबंध और माता-पिता और पुत्री के बीच का संबंध एवं विश्वास बहुत गहरा हो जाएगा। **लोग आम तौर पर उनसे विश्वासघात नहीं करते हैं, या उन्हें दु:खी नहीं करते हैं, जो ईमानदारी से उन पर भरोसा करते हैं।**

अपनी बेटी के साथ संवाद में सुधार लाने के तरीके के रूप में, आज के समाज में जीवन जीने के साधनों में से स्मार्टफोन और लाइन के द्वारा आप अपनी बेटी के दृष्टिकोण को ठीक से पहचान सकती हैं, एक ऐसे व्यक्ति की तरह जो कक्षा में अध्ययन कर रहा है और स्कूल के बाद क्लब की गतिविधि में भाग लेने, या समुदाय की घटनाओं में मदद करने आदि का सोचता है। वास्तव में क्या मायने रखता है कि घर एक ऐसी जगह हो जहाँ बच्चे शांति और आराम से राहत की साँस ले सके, जैसा कि आप अपनी पुत्री की प्रशंसा के शब्दों को व्यक्त करती हैं और एक माँ और एक पुत्री के बीच सुखद संवाद होता हैं। कृपया अपनी पुत्री पर पूरे दिल से भरोसा करिये और उसे कोमल सहजभाव से देखिए।

(टोक्यो अनुसंधान संस्थान के परिवार शिक्षा द्वारा प्रदान उत्तर)

The Tokyo Research Institute for Family Education इस आधार पर काम करता है कि "यदि माता पिता बदल सकते हैं तो बच्चों में भी परिवर्तन आयेगा ।"हम विभिन्न स्थानों में प्रेजेंकशन देते हैं और संबन्धित माता पिता को अपनी सलाह देते हैं ।"
"Family education from their children" कार्यक्रम में हमारी मदद से अनेक हँसते खेलते परिवार निकल आये ।

परिवार की भूमिका

हम देख सकते हैं कि आप कितनी ईमानदार और संवेदनशील माता हैं, जो अपनी पुत्री का बड़ी सावधानी से ध्यान रखती हैं। आपकी पुत्री एक उच्च विद्यालय की छात्रा है, और उसके जीवन का पथ प्रदर्शक के रूप में उसे एक स्मार्टफोन अपरिहार्य है; यह उसके लिए एक महत्वपूर्ण उपकरण के रूप में है। हालांकि, स्मार्टफोन के बंध आपकी धारणा उससे अलग हो सकती है। यही कारण है कि आपकी पुत्री नहीं समझ पा रही है कि आप उसके बारे में कितना चिंतित और परेशान रहती हैं। वास्तव में, यह महत्वपूर्ण है कि परिवार एक इकाई के रूप में कितनी अच्छी तरह घर का काम कर रहा है, इसलिए माँ की करुणा और पुत्री की देखभाल के लिए सबसे अच्छे ढ़ंग से व्यक्त और उसे क्रियान्वित किया जा सकता है।

परिवार की भूमिका के बारे में हमारे संस्थापक की निम्नलिखित निर्देश है: "इसमें कोई संदेह नहीं है कि परिवार तूफान में एक बंदरगाह की तरह है, जिसकी अपने संघर्षपूर्ण सामाजिक जीवन के साथ तुलना कि जा सकती है।" (याकुशीन, फरवरी, 1969)।

बंदरगाह एक ऐसी जगह माना जाता है जहाँ जहाज के क्षतिग्रस्त पाल की मरम्मत की जा सकती है, उसके इंजन को समायोजित किया जा सकता है, जहाज में भोजन और पानी की व्यवस्था की जा सकती है, जहाज को रखा जा सकता है, और इसे प्रस्थान के लिए तैयार किया जा सकता है। एक जहाज और उसके चालक दल बंदरगाह में आराम कर सकते हैं; यह शांति से राहत पाने का स्थान है। इसी तरह, शांति और आराम के लिए, उत्साह बढ़ाने के लिए आपकी पुत्री को किस प्रकार की आपूर्ति की आवश्यकता है? क्यों नहीं आप परिवार की भूमिका की एक बार फिर से गहन समीक्षा करते हैं? आप अपनी पुत्री के साथ हार्दिक एवं संवेदनशील संबंध बढ़ाने का प्रयत्न करने में समर्थ होंगी, यह कार्य माँ ही कर सकती हैं।

Please give us your comments!

We welcome comments on our newsletter Living the Lotus.

living.the.lotus.rk-international@kosei-kai.or.jp

Director's Column

खुशी-खुशी रहना

मेरे पिता, इस वर्ष 95 वर्ष के हो जायेंगे, हाल ही में उनकी खराब शारीरिक स्थिति के कारण उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया था। अब हम, और हमारे पिताजी एक परिवार के रूप में, हर दिन बुढ़ापे और बुढ़ापे की बीमारी की वास्तविकता का सामना कर रहे हैं।

मेरे पिता बुद्ध धर्म के मार्ग पर उत्साहपूर्वक चल रहे हैं जबसे उन्होंने अपने 30+ की आयु में रिश्शो कोसेइ-काइ में शामिल हुए थे। क्योंकि मेरे पिता ने अपने जीवन जीने के ढंग से मुझे धर्म की अमूल्यता का बोध करा दिया था, मैं युवा अवस्था में ही रिश्शो कोसेइ-काइ में शामिल हो गया। मैं एक कृषि वैज्ञानिक बनने के लिए कड़ी मेहनत से अध्ययन कर रहा था। मैं दुनिया के खाद्य उत्पादन की वृद्धि में योगदान करना चाहता था। परन्तु मेरा दिमाग एक प्रकार के असंतोष और चिड़चिड़ापन से हमेशा परेशान रहता था। जब मैंने बुद्ध की देशनाओं का अध्ययन और अभ्यास करना प्रारंभ किया, फिर मैं धीरे-धीरे दुनिया को समझने में सक्षम हो गया, जिसने वास्तव में हमेशा असंख्य आशीषों के साथ मुझे गले लगाया, और मेरा मन कृतज्ञता और शांति से भरा मिला।

मैंने पिता से बिस्तर पर बात की: "आपने मुझे जीवन, धर्म और सच्ची खुशी दी है। धन्यवाद, पिताजी।" उनके चेहरे पर कोमल मुस्कुराहट को देखते हुए, मुझे शिक्षा का सामना करने के बारे में याद दिलाया गया, मेरे पिता का धन्यवाद, जिसने मुझे उदाहरण से मार्गदर्शन किया था।

शोको मिजुतानी
रिश्शो कोसेइ काइ अन्तरराष्ट्रीय बिभाग निर्देशक

RISSHO KOSEI-KAI INTERNATIONAL BRANCHES

Rissho Kosei-kai Overseas Dharma Centers 2017

Rissho Kosei-kai International

3F Fumon Media Center, 2-7-1 Wada, Suginami-ku, Tokyo, Japan
Tel: 81-3-5341-1124 *Fax:* 81-3-5341-1224

Rissho Kosei-kai International of North America (RKINA)

2707 East First Street Suite #1 Los Angeles
CA 90033 U.S.A
Tel: 1-323-262-4430 *Fax:* 1-323-262-4437
e-mail: info@rkina.org http://www.rkina.org

Branch under RKINA

Rissho Kosei-kai of Seattle's Buddhist Learning Center
28621 Pacific Highway South, Federal Way, WA 98003, U.S.A.
Tel: 1-253-945-0024 *Fax:* 1-253-945-0261
e-mail: rkseattlewashington@gmail.com
http://buddhistlearningcenter.org/

Rissho Kosei-kai of Vancouver

Rissho Kosei-kai Buddhist Center of San Antonio
6083 Babcock Road, San Antonio, TX 78240, U.S.A.
P.O. Box 692148, San Antonio, TX78269, USA
Tel: 1-210-561-7991 *Fax:* 1-210-696-7745
e-mail: dharmasanantonio@gmail.com
http://www.rkina.org/sanantonio.html

Rissho Kosei-kai of Tampa Bay
2470 Nursery Road, Clearwater, FL 33764, U.S.A.
Tel: (727) 560-2927
e-mail: rktampabay@yahoo.com
http://www.buddhismtampabay.org/

Rissho Kosei-kai Buddhist Church of Hawaii

2280 Auhuhu Street, Pearl City, HI 96782, U.S.A.
Tel: 1-808-455-3212 *Fax:* 1-808-455-4633
e-mail: info@rkhawaii.org http://www.rkhawaii.org

Rissho Kosei-kai Maui Dharma Center
1817 Nani Street, Wailuku, HI 96793, U.S.A.
Tel: 1-808-242-6175 *Fax:* 1-808-244-4625

Rissho Kosei-kai Kona Dharma Center
73-4592 Mamalahoa Highway, Kailua-Kona, HI 96740, U.S.A.
Tel: 1-808-325-0015 *Fax:* 1-808-333-5537

Rissho Kosei-kai Buddhist Center of Los Angeles

2707 East First Street, Los Angeles, CA 90033, U.S.A.
Tel: 1-323-269-4741 *Fax:* 1-323-269-4567
e-mail: rk-la@sbcglobal.net http://www.rkina.org/losangeles.html

Rissho Kosei-kai Buddhist Center of Arizona

Rissho Kosei-kai Buddhist Center of Colorado

Rissho Kosei-kai Buddhist Center of San Diego

Rissho Kosei-kai Buddhist Center of Las Vegas

Rissho Kosei-kai Buddhist Center of Dallas

Rissho Kosei-kai of San Francisco

1031 Valencia Way, Pacifica, CA 94044, U.S.A.
Tel: 1-650-359-6951 *Fax:* 1-650-359-6437
e-mail: info@rksf.org http://www.rksf.org

Rissho Kosei-kai of Sacramento

Rissho Kosei-kai of San Jose

Rissho Kosei-kai of New York

320 East 39th Street, New York, NY 10016, U.S.A.
Tel: 1-212-867-5677 *Fax:* 1-212-697-6499
e-mail: rkny39@gmail.com http://rk-ny.org/

Rissho Kosei-kai of Chicago
1 West Euclid Ave., Mt. Prospect, IL 60056, U.S.A.
Tel : 1-773-842-5654
e-mail: murakami4838@aol.com
http://home.earthlink.net/~rkchi/

Rissho Kosei-kai of Fort Myers
http://www.rkftmyersbuddhism.org/

Rissho Kosei-kai Dharma Center of Oklahoma

2745 N.W. 40th Street, Oklahoma City, OK 73112, U.S.A.
Tel & Fax: 1-405-943-5030
e-mail: rkokdc@gmail.com http://www.rkok-dharmacenter.org

Rissho Kosei-kai Buddhist Center of Klamath Falls
1660 Portland St. Klamath Falls, OR 97601, U.S.A.

Rissho Kosei-kai, Dharma Center of Denver
1255 Galapago Street, #809 Denver, CO 80204, U.S.A.
Tel: 1-303-446-0792

Rissho Kosei-kai Dharma Center of Dayton
425 Patterson Road, Dayton, OH 45419, U.S.A.
http://www.rkina-dayton.com/

Risho Kossei-kai do Brasil

Rua Dr. José Estefno 40, Vila Mariana, São Paulo-SP,
CEP 04116-060, Brasil
Tel: 55-11-5549-4446 / 55-11-5573-8377
Fax: 55-11-5549-4304
e-mail: risho@terra.com.br http://www.rkk.org.br

Risho Kossei-kai de Mogi das Cruzes
Av. Ipiranga 1575-Ap 1, Mogi das Cruzes-SP,
CEP 08730-000, Brasil
Tel: 55-11-5549-4446/55-11-5573-8377

Rissho Kosei-kai of Taipei

4F, No. 10 Hengyang Road, Jhongjheng District, Taipei City 100, Taiwan
Tel: 886-2-2381-1632 *Fax:* 886-2-2331-3433
http://kosei-kai.blogspot.com/

Rissho Kosei-kai of Taichung
No. 19, Lane 260, Dongying 15th St., East Dist.,
Taichung City 401, Taiwan
Tel: 886-4-2215-4832/886-4-2215-4937 *Fax:* 886-4-2215-0647

Rissho Kosei-kai of Tainan

No. 45, Chongming 23rd Street, East District, Tainan City 701, Taiwan
Tel: 886-6-289-1478 *Fax:* 886-6-289-1488

Rissho Kosei-kai of Pingtung

Korean Rissho Kosei-kai

6-3, 8 gil Hannamdaero Yongsan gu, Seoul, 04420, Republic of Korea
Tel: 82-2-796-5571 *Fax:* 82-2-796-1696
e-mail: krkk1125@hotmail.com

Korean Rissho Kosei-kai of Busan
3F, 174 Suyoung ro, Nam gu, Busan, 48460, Republic of Korea
Tel: 82-51-643-5571 *Fax:* 82-51-643-5572

Branches under the Headquarters

Rissho Kosei-kai of Hong Kong
Flat D, 5/F, Kiu Hing Mansion, 14 King's Road,
North Point, Hong Kong, Republic of China

Rissho Kosei-kai of Ulaanbaatar
15F Express tower, Peace avenue, khoroo-1, Chingeltei district,
Ulaanbaatar 15160, Mongolia
Tel: 976-70006960
e-mail: rkkmongolia@yahoo.co.jp

Rissho Kosei-kai of Sakhalin
4 Gruzinski Alley, Yuzhno-Sakhalinsk
693005, Russian Federation
Tel & Fax: 7-4242-77-05-14

Rissho Kosei-kai di Roma
Via Torino, 29-00184 Roma, Italia
Tel & Fax : 39-06-48913949
e-mail: roma@rk-euro.org

Rissho Kosei-kai of the UK

Rissho Kosei-kai of Venezia
Castello-2229 30122-Venezia Ve Italy

Rissho Kosei-kai of Paris
86 AV Jean Jaures 93500 Tentin Paris, France

International Buddhist Congregation (IBC)
3F Fumon Media Center, 2-7-1 Wada, Suginami-ku, Tokyo, Japan
Tel: 81-3-5341-1230 *Fax:* 81-3-5341-1224
e-mail: ibcrk@kosei-kai.or.jp http://www.ibc-rk.org/

Rissho Kosei-kai of South Asia Division
3F Fumon Media Center, 2-7-1 Wada, Suginami-ku, Tokyo, Japan
Tel: 81-3-5341-1124 *Fax:* 81-3-5341-1224

Rissho Kosei-kai International of South Asia (RKISA)
201 Soi 15/1, Praram 9 Road, Bangkapi, Huaykhwang
Bangkok 10310, Thailand
Tel: 66-2-716-8141 *Fax*: 66-2-716-8218
e-mail: thairissho@csloxinfo.com

Branches under the South Asia Division

Rissho Kosei-kai of Central Delhi
224 Site No.1, Shankar Road, New Rajinder Nagar, New Delhi,
110060, India

Rissho Kosei-kai of West Delhi
66D, Sector-6, DDA-Flats, Dwarka
New Delhi 110075, India

Rissho Kosei-kai of Kolkata
E-243 B. P. Township, P. O. Panchasayar,
Kolkata 700094, India

Rissho Kosei-kai of Kolkata North
AE/D/12 Arjunpur East, Teghoria, Kolkata 700059,
West Bengal, India

Rissho Kosei-kai of Bodhgaya Dharma Center
Ambedkar Nagar, West Police Line Road
Rumpur, Gaya-823001, Bihar, India

Rissho Kosei-kai of Patna Dharma Center

Rissho Kosei-kai of Kathmandu
Ward No. 3, Jhamsilhel, Sancepa-1, Lalitpur,
Kathmandu, Nepal

Rissho Kosei-kai of Singapore

Rissho Kosei-kai of Phnom Penh
#201E2, St 128, Sangkat Mittapheap, Khan 7 Makara,
Phnom Penh, Cambodia

Thai Rissho Friendship Foundation
201 Soi 15/1, Praram 9 Road, Bangkapi, Huaykhwang
Bangkok 10310, Thailand
Tel: 66-2-716-8141 *Fax:* 66-2-716-8218 *e-mail:* info.thairissho@gmail.com

Rissho Kosei-kai of Bangladesh
85/A Chanmari Road, Lalkhan Bazar, Chittagong, Bangladesh
Tel & Fax: 880-31-626575

Rissho Kosei-kai of Dhaka
House#408/8, Road#7(West), D.O.H.S Baridhara,
Dhaka Cant.-1206, Bangladesh
Tel: 880-2-8413855

Rissho Kosei-kai of Mayani
Mayani(Barua Para), Post Office: Abutorab, Police Station: Mirshari,
District: Chittagong, Bangladesh

Rissho Kosei-kai of Patiya
Patiya, sadar, Patiya, Chittagong, Bangladesh

Rissho Kosei-kai of Domdama
Domdama, Mirsarai, Chittagong, Bangladesh

Rissho Kosei-kai of Cox's Bazar
Ume Burmese Market, Main Road Teck Para, Cox'sbazar, Bangladesh

Rissho Kosei-kai of Satbaria
Satbaria, Hajirpara, Chandanish, Chittagong, Bangladesh

Rissho Kosei-kai of Laksham
Dupchar (West Para), Bhora Jatgat pur, Laksham, Comilla,
Bangladesh

Rissho Kosei-kai of Raozan
West Raozan, Ramjan Ali Hat, Raozan, Chittagong, Bangladesh

Rissho Kosei-kai of Chendirpuni
Chendirpuni, Adhunagor, Lohagara, Chittagong, Bangladesh

Rissho Kosei-kai of Ramu

Rissho Kosei Dhamma Foundation, Sri Lanka
No. 628-A, Station Road, Hunupitiya, Wattala, Sri Lanka
Tel: 94-11-2982406 *Fax*: 94-11-2982405

Rissho Kosei-kai of Polonnaruwa

Rissho Kosei-kai of Habarana
151, Damulla Road, Habarana, Sri Lanka

Other Groups

Rissho Kosei-kai Friends in Shanghai